Q:- सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम क्या है? भारत की अर्थव्यवस्था में PSU की क्या भूमिका है? भारत में PSU को पुनर्जीवित करने के लिए भारतीय सरकार के प्रयासों का विश्लेषण करें। [300 W]

→ सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम

जब सरकार आर्थिक गतिविधि के कार्य के लिए निदेशालय के स्थान पर सार्वजनिक संगठन का गठन करती है तो इसे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम कहा जाता है। इस तरह के उपक्रम में सरकार की भागीदारी कम-से कम 51 प्रतिशत की होती है।

भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम का इतिहास मौर्य काल से शुरू हो गया था जहाँ इसे निगम कहा जाता था। इसके बाद 1935 में भारतीय रिजर्व बैंक भारत का पहला PSU बना एवं 1948 में दामोदर नदी घाटी परियोजना जो भारत का पहला बहुउद्देशीय जल-विद्युत निगम बना।

BHOPAL
Established since 1990

PSU: अर्थव्यवस्था में भूमिका

PSU की भारतीय अर्थव्यवस्था में काफी भूमिका रही है। इसका मुख्य उद्देश्य -

- रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी

→ सार्वजनिक क्षेत्रों का विनिवेश करना

विनिवेश 2 प्रकार से -

- सामरिक विनिवेश
- गैर सामरिक विनिवेश

सामरिक विनिवेश के तहत सरकार PSU का कम से कम 51% अधिकार अपने पास रखती है वहीं गैर सामरिक विनिवेश के तहत यह अधिकार 50% से कम हो जाता है।

निष्कर्ष

PSU एक ऐसा उपक्रम है जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था को काफी लाभ मिलता है एवं यह देश में ~~Fiscal~~ fiscal deficit कम करने में मदद भी करती है इसके विनिवेश द्वारा। देश में रोजगार के काफी अवसर पैदा करती है एवं देश में को आर्थिक सहयोग प्रदान करती है।

PSU के विनिवेश से उपक्रमों में काफी प्रतिस्पर्धा भी देखने मिलती है जिससे वह उपक्रम अधिक तेजी से ग्रोथ करती है।

UNIQUE BHOPAL Established Since: 1990